

28 अप्रैल महत्वपूर्ण घटनाएँ
1788 - मैरी लैंड अमेरिकी संविधान की पुष्टि करने वाला सातवां राज्य बना।
1829 - यूरोपीय देश नीदरलैंड की संसद ने नये प्रेस कानून पारित किये।
1858 - क्रांति पुरोधा जोधा सिंह अटैया को 51 साथियों के साथ फांसी पर लटकाया गया।
1910 - इंग्लैंड में क्लोड ग्राहम व्हाइट नाम के पायलट ने पहली बार रात में विमान उड़ाया।
1932 - ईसानों के लिए पीत ज्वर का टीका विकसित करने की घोषणा गई।
1935 - रूस की राजधानी मास्को में अंडरग्राउंड ट्रेन हामेट्रोह्न की शुरुआत।
1945 - इटली के तानाशाह बेनितो मुसोलिनी, उनकी प्रेमिका क्लारा पेटाची और उनके कुछ सहयोगियो की हत्या हुई थी।
1964 - जापान आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में शामिल हुआ।
1999 - अमेरिका वैज्ञानिक डाक्टर रिचर्ड सीड द्वारा एक वर्ष के अन्दर मानव क्लोन बनाने की घोषणा।
2002 - बुकर पुरस्कार का नया नाम ह्यूमैन प्राइज फार फिक्शनह्द रखा गया।
2003 - दुनिया भर में कर्मचारी सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस मनाया गया।
2008 - भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन ने पीएसएलवी-सी9 के साथ छोड़कर एक नया इतिहास रचा।
जन्मदिवस
1791 - महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष हरि सिंह नलवा का जन्म हुआ।
पुण्यतिथि
1740 - मराठा शासक पेशवा बाजीराव प्रथम का निधन।
1992 - ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कन्नड़ भाषा के प्रमुख साहित्यकार विनायक कृष्ण गोकाक का निधन।

28 अप्रैल/बलिदान-दिवस क्रान्ति पुरोधा जोधासिंह अटैया

भारत की स्वतन्त्रता का पावन उद्देश्य और अदम्य उत्साह 1857 की महान क्रान्ति का प्रमुख कारण ही नहीं, आत्माहुति का प्रथम आह्वान भी था। देश के हर क्षेत्र से हर वर्ग और आयु के वीरों और वीरांगनाओं ने इस आह्वान को स्वीकार किया और अपने रक्त से भारत माँ का तर्पण किया। उस मालिका के एक तेजस्वी पुष्प थे क्रान्ति पुरोधा जोधासिंह अटैया।



10 मई, 1857 को जब बैरकपुर छावनी में वीर मंगल पांडे ने क्रान्ति का शंखनाद किया, तो उसकी गुंज पूरे भारत में सुनायी दी। 10 जून, 1857 को फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) में क्रान्तिवीरों ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिया। इनका नेतृत्व कर रहे थे जोधासिंह अटैया। फतेहपुर के डिप्टी कलेक्टर हिकमत उल्ला खाँ भी इनके सहयोगी थे। इन वीरों ने सबसे पहले फतेहपुर कचहरी एवं कोषागार को अपने कब्जे में ले लिया।

जोधासिंह अटैया के मन में स्वतन्त्रता की आग बहुत समय से लगी थी। बस वह अवसर की प्रतीक्षा में थे। उनका सम्बन्ध तात्या टोपे से बना हुआ था। मातृभूमि को मुक्त कराने के लिए इन दोनों ने मिलकर अंग्रेजों से पांडु नदी के तट पर टक्कर ली। आमने-सामने के संग्राम के बाद अंग्रेजी सेना मैदान छोड़कर भाग गयी। इन वीरों ने कानपुर में अपना झंडा गाड़ दिया।

जोधासिंह के मन की ज्वाला इतने पर भी शान्त नहीं हुई। उन्होंने 27 अक्तूबर, 1857 को महमूदपुर गाँव में एक अंग्रेज दरोगा और सिपाही को उस समय जलाकर मार दिया, जब वे एक घर में ठहरे हुए थे। सात दिसम्बर, 1857 को इन्होंने गंगापार रानीपुर पुलिस चौकी पर हमला कर अंग्रेजों के एक पिटू का वध कर दिया। जोधासिंह ने अवध एवं बुन्देलखंड के क्रान्तिकारियों को संगठित कर फतेहपुर पर भी कब्जा कर लिया।

आवागमन की सुविधा को देखते हुए क्रान्तिकारियों ने खजुहा को अपना केन्द्र बनाया। किसी देशद्रोही मुखबिर की सूचना पर प्रयाग से कानपुर जा रहे कर्नल पावेल ने इस स्थान पर एकत्रित क्रान्ति सेना पर हमला कर दिया। कर्नल पावेल उनके इस गढ़ को तोड़ना चाहता था; पर जोधासिंह की योजना अचूक थी। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध प्रणाली का सहारा लिया, जिससे कर्नल पावेल मारा गया। अब अंग्रेजों ने कर्नल नील कें नेतृत्व में सेना की नयी खेप भेज दी। इससे क्रान्तिकारियों को भारी हानि उठानी पड़ी।

लेकिन इसके बाद भी जोधासिंह का मनोबल कम नहीं हुआ। उन्होंने नये सिरे से सेना के संगठन, शस्त्र संग्रह और धन एकत्रीकरण की योजना बनायी। इसके लिए उन्होंने छद्म वेष में प्रवास प्रारम्भ कर दिया; पर देश का यह दुर्भाग्य रहा कि वीरों के साथ-साथ यहीं देशद्रोही भी पनपते रहे हैं। जब जोधासिंह अटैया अरगल नरेश से संघर्ष हेतु विचार-विमर्श कर खजुहा लौट रहे थे, तो किसी मुखबिर की सूचना पर ग्राम घोरहा के पास अंग्रेजों की घुड़सवार सेना ने उन्हें घेर लिया। थोड़ी देर के संघर्ष के बाद ही जोधासिंह अपने 51 क्रान्तिकारी साथियों के साथ बन्दी बना लिये गये।

प्रेम की बूस्टर डोज मिल जाए तो बात बन जाए

कोरोना की चौथी लहर के बारे में कहा जा रहा है कि जून में आएगी। कोविड के मामले बढ़ने लगे हैं, लेकिन तसल्ली की बात यह है कि मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करने की नौबत नहीं आ रही है। ज्यादातर मरीज अपने घर पर रहते हुए ही इलाज करा रहे हैं और ठीक हो रहे हैं। अब कोरोना से मौत के मामले तो न के बराबर हैं। परंतु सभी को सावधान रहने की जरूरत है, इसीलिए मास्क को अभी जारी रखना होगा। चंडीगढ़ में तीन हफ्ते बाद ही मास्क पहनने का नियम लौट आया। अब यदि सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर बिना मास्क मिले तो 500 रुपए का चालान कटेगा, नहीं भरा तो एफआईआर दर्ज हो जाएगी। केरल की सरकार ने भी मास्क को अनिवार्य कर दिया है। दिल्ली एनसीआर से जुड़े यूपी व हरियाणा के 11 जिलों में पहले ही मास्क पहनना

अनिवार्य घोषित कर दिया गया था। हरियाणा में 18 से 59 साल के लोगों को कोविड की बूस्टर डोज मुफ्त में लगाई जाएगी। प्रदेश में बूस्टर डोज पर आने वाला करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च कोरोना राहत कोष से किया जाएगा। हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल या डिस्पेंसरी में बूस्टर डोज मुफ्त लगवाई जा सकेगी। केंद्र सरकार ने देश भर में मुफ्त बूस्टर डोज की सुविधा सिर्फ 60 साल से ऊपर के लोगों को दी है। देश भर में बूस्टर डोज अपने खर्च पर लगवाने का प्रावधान है। प्राइवेट अस्पतालों को बूस्टर डोज 250 रुपए में दी गई है, जिस पर 150 सुविधा शुल्क लगता है, यानी लोगों को एक बूस्टर डोज करीब 400 रुपए की पड़ती है। बूस्टर डोज उन व्यक्तियों के लिए उपयोगी है जिन्हें वैक्सीन की दूसरी डोज

करने और कुछ मीठा खाने से रिसते हैं। इनसे मूड अच्छा हो जाता है। जब हमें प्रेम मिल जाता है तो यह किसी जैविक आतिशबाजी की तरह होता है। इससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है। अमेरिकी न्यूरो साइंटिस्ट स्टेफनी आर्टिंग कहती हैं कि जब हम अपने साथी के प्रति प्रेम रखते हैं तब मन में गहरी शांति महसूस होती है। प्रेम के प्रभाव से दर्द कम हो जाता है, व्यक्ति की रचनात्मकता बढ़ जाती है और याद रखने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। जीवन में यदि चाहने वाले दोस्तों और केयर करने वाले रिश्तेदारों की कमी हो तो उससे कुछ प्रकार की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे नींद न आना, ब्लड प्रेशर बढ़ जाना या डायबटीज हो जाना।

..नरविजय यादव वरिष्ठ

पत्रकार व कॉलमिस्ट हैं।

ये दिल है अब मुश्किल है जीना यहाँ, ये है नोएडा, ये है नोएडा मेंरी जान।

पब/स्पा और बार में होनी चाहिए विजिटर रजिस्टर : अनिल के. गर्ग

समाज जागरण नोएडा

ये दिल है अब मुश्किल है जीना यहाँ, ये है नोएडा, ये है नोएडा मेंरी जान। शराब की पार्टी, बेईमानी और हत्या ने दिल्ली नोएडा तो क्या बिहार तक झकझोर दिया है। सवाल यही है कि आखिर हुआ क्या था ? ऐसी कौन सी बात थी जो कि बाउण्सर को एक हत्या करने पर मजबूर कर दिया? यह हत्या जानबुझकर की गई है या हो गई। पोस्टमार्ट के अनुसार मौत सिर में चोट के कारण हुई है, तो क्या बाकई बार में मौजूद बाउण्सर ने जानलेवा हमला किया ? साहब आप भले ही शराब को अच्छे समझियें, लेकिन शराब पार्टी के बाद हुए इस घटना ने आम आदमी के दिल में एक खोफ जरूर पैदा किया है। साक्षात्कार के समय शराब पीने वालों को रखने में मना करने वाली कापोरेंट कंपनी को आखिर में शराब पार्टी देने की क्या जरूरत पड़ती है ? बार में रखे गए बाउण्सर का पुलिस वेि-रफिकेशन कराये जाते है ? आखिर बार यह दूसरे रेस्टोरेंट में भी विजिटर रजिस्टर मैटेन क्यों नहीं किये जाते है ?

नोएडा सेक्टर 38 गार्डन गलेरिया बार में हुए हत्या को लेकर लोगों में भारी रोष है। लोगों का कहना है कि बार और बिल्डर लोगो का फैशन बन गया है बाउण्सर रखना। आये दिन ऐसी घटना देखने को मिलते रहते है, सवाल उठता है कि आखिर बाउण्सर बार में सरक्षा के लिए रखे जाते है या फिर ग्राहको को पीटवाने के लिए। पिछली साल की घटना जब सुपरटेक आफिस में न्याय मांगने गए घर खरीदारों को मारा पीटा गया, मामले में सेक्टर 39 थाने में मामला भी दर्ज है। हालांकि क्या कार्यवाही हुई अभी तक किसी को पता नही है। नोएडा के वरिष्ठ नागरिक व अधिवक्ता इस घटना के बाद काफी आहत होते हुए पुलिस और प्रशासन पर कई सवाल उठाए है। उन्होने कहा है क्या हमारे प्रशासन और हमारे स्मार्ट सिटी की जनता के पास दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ाने वाली बेटी श्रीमती पूजा को इस घटना में मिली इस त्रासदी पर कोई जवाब है? प्यारा मासूम 5 साल का बेटा सार्थक और 3 साल की प्यारी बेटी भुविक भी, जिसने सब खो दिया अपने माँ से पूछ रही है कि पापा कब आयेंगे ?

राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह का प्रयागराज में किसानों ने किया भव्य स्वागत

(**देव मणि शुक्ल)**
नोएडा भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह का प्रयागराज आगमन पर किसानों ने जोरदार स्वागत किया। किसान नेता बब्लू दूबे के अगुवाई में फाफामारु में राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह का काफिला रुका। जहाँ बब्लू दूबे अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ माल्यार्पण कर प्रयागराज की पावन धरती पर स्वागत किया। साथ ही साथ जमकर नारेबाजी हुई। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का काफिला झलवा स्थित किसान पार्क के लिए रवाना हुआ। जहाँ किसान नेता शनि शुक्ला अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ उपस्थित रहे राष्ट्रीय



क्या पब/स्पा सेंटर और अन्य में सभी कर्मचारियों/बाउंसरों के सत्यापन की कोई आवश्यकता नहीं है? आखिर क्यों नही सभी आगंतुकों का एक रजिस्टर भी रखा जाना चाहिए? एसपीए होटल और अन्य स्थानों में सभी बाउंसरों का डेटा एकत्र करने की सबसे अधिक आवश्यकता है, जैसा कि मालिकों द्वारा उसी प्रतिष्ठान में प्रतिनियुक्त किया गया है

	यह हमारे जिला प्रशासन, पुलिस कमिश्नरेट का कर्तव्य और जिम्मेदारी है, श्रम विभाग, सभी संबोधित प्राधिकरण इन सभी कर्मचारियों / बाउंसरों / सुरक्षा कर्मचारियों और प्रशासन कर्मचारियों और अधिकारियों का डेटा 3 महीने में एकत्र करके एक रजिस्टर बनाने की जरूरत है जिससे आने वाले समय में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।
अनिल के. गर्ग	चूंकि गौतमबुद्धनगर एक स्मार्ट सिटी है अर्थात विकास एक महानगरीय शहर है, इसलिए इन सभी प्रतिष्ठानों के लिए एक रजिस्ट्रार बनाए रखने की सबसे अधिक

घटना बहुत ही दुखद है जिसे शब्दों में ब्याँ नहीं किए जा सकते है, लेकिन भविष्य में ऐसा ना हो इसके लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। इसके साथ ही कंपनियों को भी शराब पीने और पिलाने वाले पार्टियों से बचने चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार बिल को लेकर झगड़ा हुआ था, अगर यह सच है तो निश्चित तौर पर मेनू रेट डिसप्ले होनी चाहिए। पीने के बाद नशा होना लाजमी है बार और पब चलाने वाले प्रबंधक व मालिकों को चाहिए कि बउण्सर सिर्फ हंगामा करने वालों को बाहर निकालने के लिए रखनी चाहिए न कि मर्डर करने के लिए। इसके अलावा कापोरेंट कंपनी को भी इस प्रकार के शराब पार्टी देने से बचने की जरूरत है।

अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान पार्क स्थित किसान मसीहा चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की स्मृति पर माल्यार्पण कर पंचायत को संबोधित किया। तथा भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शनि शुक्ला को प्रदेश अध्यक्ष और बब्लू दूबे को मंडल अध्यक्ष मनोनीत करते हुए प्रमाण पत्र भेंट की। इस दौरान किसान नेता अमरनाथ यादव, डाक्टर राम मूरत, लाल प्रताप, राम सजीवन, महेंद्र, रमेश तिवारी, कप्तान पांडेय, नीरज प्रजापति, राज कुमार, पप्पू यादव आदि सैकड़ों समर्थकों व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणेश गीता (गीता भाग 43)

ब्रह्म की प्राप्ति के उपाय, शंका का समाधान

विश्वनाथ त्रिपाठी
आदर्णीय सनातनी बंधुओं कल श्री गणेश जी की वाणी हमलोगो ने पढ़ी थी जिसमे टर्म व स्व धर्मानुसार आचरण करने से बुद्धि शुद्धि के विषय मे उल्लेख किया गया थाे आज भी उसी विषय को आगे बढ़ाए गए गणनाथ ने वरेण्य से जो आगे कहा उसे ध्यान से सुने व पढ़े ----
योगमन्यम प्रवक्ष्यामि, श्रृणुभूप तदुत्तममे सशी पुत्रे तथा मित्रे, शत्रौ,बन्धौ तथा सुहज्जने
बहिर्दृष्टया च समया, हत्स्थयालोयेत्सुमाने सुखे दु:के तथामर्षे, हर्षे भी तौर समोसे भवेते
हे नराधिपति!
व्यक्ति को चाहिए कि मन के बाहर व भीतर सम दृष्टि रखे जीवन मे सुख आवे या दु:ख, क्रोध हो या फिर जीवन मे आनंद के क्षण अथव भय का माहौल हमेशाएक जैसा रहना चाहिए
योगाप्तौ चैवभोगाप्ता चो जये विजयेऽपि च श्रियोऽयोगे च योगे च,
हे राजन! मैं एक अन्य योग की चर्चा आप से कर रहा हूं उस उत्तम योग



लाभालाभे मृतावधिे हे राजन! जीवन रोग की प्राप्ति हो या भोग की प्राप्ति हो, चाहे जय हो या फिर विजय होे लक्ष्मी की प्राप्ति हो या अ लक्ष्मी का साम्राज्य हो हानि लाभ जीवन व मरण मे मानव समान अवस्था मे स्थिर रहना चाहिए अगर परिस्थितियों के अनुरूप मन उद्विग्न या उल्लसित होता है तो यह मानना चाहिए कि हमारी योग साधना अभी अधूरी है

सम्पराहृत्य स्वर्थेभ्य:, इन्द्रिय आणि विवेकतो: सर्वत्र समता बुद्धि:, से योगी भूप मे मत: हे राजन! जो ज्ञान द्वारा इंद्रियों को विषयों से हटा कर सब जगह समान बुद्धि रखता है, वह मेरी दृष्टि मे योगी है

क्रमश:-----

